एक्यूप्रेशर, विश्व को भारत की अनुपम देन

गांव–गांव तक एक्यूप्रेशर
पहुँचे अब मोबाइल से।

Academic Courses of Acupressure...

Certificate (CAHS) | Diploma (DAHS) | Advance Diploma (ADAHS) | Master Advance Diploma (MADAHS)

Admissions Open Round the Year

Correspondence Course | Campus Course

Books...

Printed By : Graphic Offset # 8601883487

Information Brochure & Prospectus of ASPEUS

Information Brochure & Prospectus of Mata Prasad Khemka Acupressure Mahavidyalaya & ASPEUS

Established in 1995

NGO Registration No. BNo.03/C227/P227/S.No. 276-278
(Dated : 04.04.1998)

Having the Privilege of

- **Biggest Acupressure (Non Invasive Acupuncture) Institute (Resi.) of INDIA**
- **First Acupressure Hospital in INDIA**

M.P. Khemka Acupressure Mahavidyalaya
(Saraswati Ashram)

ASPEUS Head Office

Acupressure Shodh, Prashikshan Evam Upchar Sansthan

49/24-A, Minto Road (Behind Boy's High School), Prayagraj-211 001
Mob.: 9335105694 | E-mail : ayurved_acu@rediffmail.com
Website : www.acusansthan-ald.in

Our Aims & Objectives

- To promote acupressure amongst the masses (globally) by means of treatment through it and trainings thereof.
- To run a chain of acupressure treatment centers all around the country, imparting drugless treatment and thereby generating self-employment.
- To impart education of acupressure by running colleges for providing knowledge through trainings and academic courses thereby also generating self-employment.
- To promote research in the field of acupressure by maintaining a library of books on alternative medicines and publishing the developments made in acupressure through books and literature and also keeping records of the patients attended and treated.
- To provide health by spreading awareness about this energy based therapy – acupressure and publishing a quarterly magazine of Sansthan.
  - Acupressure is a part of Naturopathy.
  - Acupressure is a drugless therapy and is cost effective.
  - Our motto is "fitness for all by 2025 AD" by this self healing technique of acupressure, through the service to the suffering humanity.

Naturomedicine (Acu Instruments)

ASPEUS Books - Energy Books

Why these are so?

- Acu Instruments work at subcutaneous level (macro)
- Acu magnets, seeds & colour works at tissue, cell level (micro)

Salient Features of Naturomedicine (Instruments)

- It is most valuable, afordable self applicable as such a substitute of physiotherapy.
- Use of different types of instruments on face, head, arms, hands, legs, feet & spine all energise.
- According to chinese acupuncture concept use of naturomedicne on meridians in vigorates inbuilt energy system and enhance the immunity so naturomedicines have preventive & curative effects.
- Use of colour by sketch pens, seeds & micro magnets work not only on surface level but work at tissue level & cell level (micro level).

  This knowledge is contained in ASPEUS acu books (ASPEUS energy books)

J.P. Agrawal, President

Enroll

As our "Saraswati Magazine" member
Submit your Name, Phone No., Address & Pin Code
Deposit Rs. 650/- in our ICICI Bank
Accupressure Shodh, Prashikshan Evam Upchar Sansthan
Account - ICICI Bank, A/c No. : 628205024963,
IFSC Code - ICIC0006282
or view our website : www.acusanthan-ald.in
Download
"Acumart" Mobile App :
from Google Play Store & Books & Instrument !

YouTube

- watch our video on you tube - "aspeus"
- watch the view of acupressure hospital and college!
- watch the feedback of patients!
- watch the reviews by renowned doctors!

Download Membership form "aspeus"
from our website
Register yourself as our member !

Our Inspiration

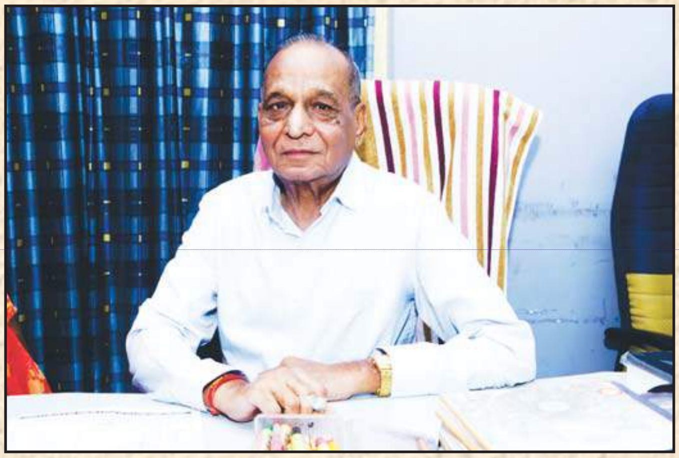

Our All Times President - Late Mata Prasad Khemka

पर पीड़ा से छलक उठे मन, यह छलकन ही गंगाजल है।
दुःख हरने को पुलक उठे मन, यह पुलकन ही तुलसी दल है।
हो चरण दबाने को तत्पर मन, यह तत्परता ही पंचामृत है।
थके हुए की थकन मिटाना, यह घर बैठे तीर्थाटन है
भटके हुओं को राह दिखाना, ये ही तो यज्ञ हवन है
पर पीड़ा से छलक उठे मन, यह छलकन ही गंगाजल है

May compassion well up at the pain of another;
In that welling alone is the Ganga.
May joyousness spring up to steal the sorrow of another;
In that springing is the budding of basil leaves.
May the mind brim with alertness to press feet that suffer;
In that brimming is five fold nectar.
To wash away the tiredness of the weary,
is pilgrimage done at one's doorstep.
To show the path home to the wanderer
is the pouring of oblation is sacrificial fire.
May compression well up at the pain of another.
In what welling is the Ganga.

एक आन्दोलन

"Each one reach one   Each one treat one   Each one teach one"

अध्यक्षीय आत्म चिन्तन
(President's Introspection)

Our President
Jagdish Prasad Agarwal

''यावन्तो हि मूर्तिमन्तो भावविशेषा-
स्तावन्तः पुरुषे, यावन्तः पुरुषे तावन्तो लोके।।''

अर्थ– जितने मूर्तिमान भावों के भेद लोक में देखे जाते हैं, उतने ही पुरुष में भी होते हैं और जितने मूर्तिमान भावों के भेद पुरुष में देखे जाते हैं, उतने ही लोक में भी होते हैं।

आयुर्वेद अनन्त अपार है, इसमें जीवन के प्रत्येक पहले का ज्ञान समाहित है। ब्रह्माण्ड की तुलना अनेक स्तरों पर पिण्ड/मानव शरीर से की गई है। जो कुछ भी ब्रह्माण्ड में भौतिक पराभौतिक रूप में विद्यमान हैं, वो सब मनुष्य में भी, उसी रूप में विद्यमान हैं। ब्रह्माण्ड में वायु का प्रकोप होने पर शरीर में भी वात का प्रकोप एवं लक्षण प्रकट होने लगते हैं। बाहरी तापमान ठण्डा-गर्म होने पर शरीर का पित्त प्रभावित होता है, एवं वातावरण में आर्द्रता (उमस) बढ़ने पर शरीर का तरल प्रभावित होने से शरीर में कफ के लक्षण प्रकट होने लगते हैं। अतः जो कुछ लोक में घटित होता है, पिण्ड में परिणामस्वरूप उसी प्रकार परिलक्षित होता है।

इसी तादात्म्य को स्थापित करते हुए, आयुर्वेद एवं एक्यूप्रेशर दोनों का अद्भुत समवाय ''आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर'' है जो संस्थान द्वारा सन् 2003 में स्थापित किया गया। भौतिक/पराभौतिक, अविभाज्य है तथा सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड एवं पिण्ड सूक्ष्म रूप में अनन्त घटकों से युक्त है, तथा स्थूल रूप से सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड एवं पिण्ड को दस में विभाज्य होने के कारण, आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर द्वारा मानव शरीर की चिकित्सा हेतु दश उत्पत्ति का सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया है।

सृष्टिकर्ता ब्रह्मा ने सृष्टि के आरम्भ में ही मनुष्य को त्रिविध ताप से परित्राण के लिए आयुर्वेद का ज्ञान, सम्पूर्ण रूप से अपने पुत्रों–अश्विनी कुमारों, उनसे देवताओं के राजा इन्द्र एवं उनके माध्यम से ब्रह्म ऋषि भारद्वाज द्वारा कलयुग में रोगों से संतप्त, कराहती एवं पीड़ित मानवता के लिए पृथ्वी पर लाकर, अपने चरक, सुश्रुत, कल्हण... आदि विशिष्टतम शिष्यों को आयुर्वेद का ज्ञान दिया। यह ज्ञान दैवीय होने के कारण किसी भी रोग के लिए, चिकित्सा पद्धति में अत्यन्त प्रभावशाली एवं लाभप्रद सिद्ध हुआ।

एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान, प्रयागराज एक सूक्ष्म समूह से विशालकाय वट-वृक्ष का रूप ले चुका है। यह सभी विद्वत्जनों, गुरुजनों, उपचारकों एवं रोगियों आदि अनगिनत सहयोगियों के योगदान का परिणामस्वरूप है।

Meaning - *As many components are there in the cosmos, so also are in the human body and vice versa.*

The concept of cosmos & human body is compared & presented at various places in our ancient text of Ayurveda. It states that as many components are there in the cosmos, so also are in the human body. All physical-metaphysical components are parallel to each other and exist in both the entities. The changes in the external environment as extreme windy conditions effects the vata of body; the hot-cold temperature variation effects the pitta of body while the humidity/moisture outside, effects the fluids/kapha inside. This is the result of close interaction (relations) between cosmos & human body. It has been further established by the union of two major branches of healing, the Ayurveda & the Acupressure and development of "Ayurvedic Acupressure" in 2003 by the sansthan. It is based on the two major principles that physical-metaphysical are inseparable and that infinite components are there in cosmos and human body. This infinite is studied under the 10 origin concept developed in Ayurvedic Acupressure.

The creator Brahma, imparted the knowledge of Ayurveda to his disciples-Ashvini Kumar, then to Lord Indra and later Maharishi Bhardwaj learnt & spread this knowledge on the Earth, carried forward by Charak, Shushrut, Kalharh etc. rishis; to heal the suffering humanity from the ill- effects of Kaliyug. This knowledge, as divine itself, proved to be highly effective in the field of medicine.

The Acupressure Shodh Prashikshan Evam Upachar Sansthan, Prayagraj started as the group of few devoted people, has now turned into a hugely branched banyan tree structure. It is due to the blessing of visionary people, our teachers, colleagues, therapists, patients and the innumerable co-helpers, that is being motivated & still growing.

मोरारी जी बापु

संदेश (आशीष)

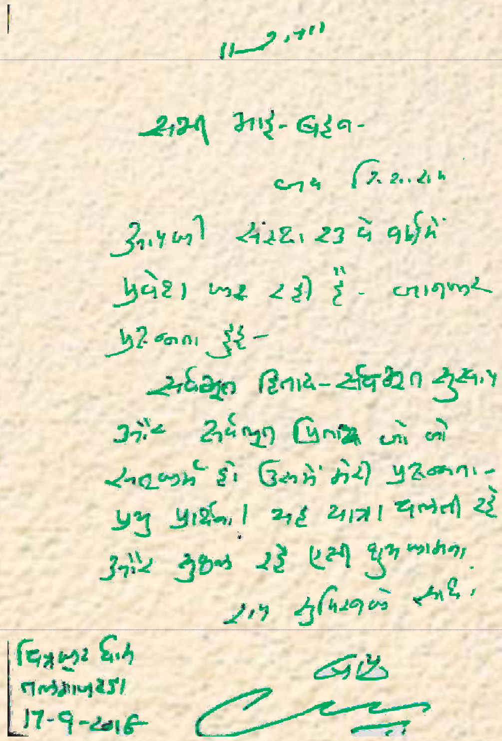

॥ राम ॥

सभी भाई-बहन-

जय सियाराम

आपकी संस्था 23 वे वर्षमें प्रवेश कर रही है - जानकर प्रसन्नता हुई -

सर्वभूत हिताय - सर्वभूत सुखाय और सर्वभूत प्रियाय जो जो सतकर्म हो उसमें मेरी प्रसन्नता - प्रभु प्रार्थना। यह यात्रा चलती रहे और सुफल रहे ऐसी शुभकामना।

राम सुमिरन के साथ।

चित्रकूट धाम
तलगाजरडा
17-9-2016

बापु

॥ राम ॥

सभी भाई, बहन,

जय सिया राम

आपकी संस्था 23वें वर्ष में प्रवेश कर रही है, जानकर प्रसन्नता हुई।

सर्वभूत हिताय, सर्वभूत सुखाय और सर्वभूत प्रियाय जो सतकर्म हो उसमें मेरी प्रसन्नता, प्रभु प्रार्थना। यह यात्रा चलती रहे और सुफल रहे ऐसी शुभकामना।

राम सुमिरन के साथ

बापू

Blessings of Dignitaries

साभार – सरस्वती पत्रिका–2011
अंक 3–4

सत्यमेव जयते

दि. : १३. १२. २०११

संदेश

आज के भागदौड के युग में मानवी अच्छी और पूरी तरह से आराम नहीं ले पाता है और खाने – पीने में भी बेदरकार हो गया है। इस के कारण आज का मानवी बचैनी और मानसिक रोगों से त्रस्त हो गया है। मानसिक तनाव से बचने के लिए आदमी अस्पताल, योग, कसरत, इत्यादि का मार्ग अपनाकर स्वस्थता प्राप्त करने का प्रयास करता है ।

एक्यूप्रेशर शोध, प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान – इलाहाबाद द्वारा एक्यूप्रेशर विशेषज्ञों, विद्वानों, लेखकों का राष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से एक्यूप्रेशर एवं आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति में सुधार लाने से शोध कार्यो में बदलाव आयेगा और लोगों को सही इलाज की जानकारी मिलेगी ।

इस अवसर पर संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका 'एक्यूप्रेशर – एक्यूपंचर सरस्वती' विशेषांक प्रकाशित हो रहा है। इस विशेषांक स्मारिका की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूं।

आपका,

नरेन्द्र मोदी

(नरेन्द्र मोदी)

प्रति,
श्री माता प्रसाद खेमका, अध्यक्ष
एक्यूप्रेशर शोध, प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान
४९/२४ ए, मिन्टो रोड, इलाहाबाद–२११००१

सत्यमेव जयते

रमेश पोखरियाल 'निशंक'

Ramesh Pokhariyal 'Nishank'

शिक्षा मंत्री

भारत सरकार

MINISTER OF EDUCATION

GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता है कि एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति के माध्यम से रोगियों की सेवा-सुश्रुषा एवं मानवता का कल्याण करते हुए अपनी त्रैमासिक शोध पत्रिका 'सरस्वती' के प्रवेशांक का प्रकाशन करने जा रहा है।

एक्यूप्रेशर भारत की अत्यंत प्राचीन एवं परम्परागत चिकित्सा पद्धति है। भारत के प्राचीनतम प्रमाणिक चिकित्सा-शास्त्र 'चरक संहिता' में भी एक्यूप्रेशर चिकित्सा का उल्लेख मिलता है और बाद में भगवान बुद्ध के चिकित्सक 'जिवक' भी हाथों के दबाव ही से रोगियों की चिकित्सा करते थे। जब मौर्य वंश का साम्राज्य आया तब यह विद्या बौद्ध-भिक्षुकों द्वारा अपना ली गई और बाद में जब बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार हेतु बौद्ध भिक्षु चीन, जापान और श्रीलंका जैसे देशों में जाने लगे तो वे अपने साथ अनेक भारतीय विद्याओं सहित एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति को भी लेकर गये जिसे बाद में अमेरिकन चिकित्सक डी. फ्रिट्ज जेराल्ड ने पुर्नजीवित किया। इस सम्पूर्ण वांग्मय का अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि मानव शरीर एक मशीन की तरह है। इस मशीन रूपी शरीर में मस्तिष्क, पाचनतंत्र, आँख, कान, नाक, जीभ, त्वचा, तंत्रिका-तंत्र, रक्त-संस्थान, गुर्दे, फेफड़े जैसे कई संवेदनशील भाग है। यह सभी अंग-प्रत्यंग अलग-अलग रहकर भी एक साथ मिलकर काम करते हैं, जिस प्रकार एक सफल मशीन में कई तरह के कलपुर्जे मिलकर एक विशेष कार्य को सम्पन्न करते हैं। लेकिन यदि कभी मशीन के किसी भाग में खराबी आ जाती है तो उस भाग से सम्बद्ध बटन को दबाने से मशीन का काम पुनः प्रारम्भ हो जाता है। ठीक उसी प्रकार शरीर के आंतरिक अंगों से सम्पद्ध हाथ, पैर, चेहरे व कई अन्य स्थानों पर इनके अदृश्य बिन्दु होते हैं जिन पर दबाव डालकर अर्थात् प्रेशर देकर, उससे सम्बन्धित अंग में गर्मी, चेतना, प्राण-शक्ति भेजी जाती है जिसके फलस्वरूप अवरोध हट जाता है और वह अंग पुनः क्रियाशील हो जाता है जिससे स्वस्थ रक्त व प्राण-वायु का संचार होने लगता है।

एक्यूप्रेशर उपचार पद्धति-प्रकृति प्रदत्त विज्ञान है, जिसका हमारे ऋषि-मुनि, गृहस्थ सभी समय-समय पर उपयोग करते थे। महाभारत काल में योद्धाओं द्वारा पैर के अंगूठे में कड़ा पहनना, बारीक धागा बांधना, कर्ण-छेदन आदि क्रियाएँ एक्यूप्रेशर ही थीं। यदि 'एक्यूप्रेशर' शब्द की शब्द-व्युत्पत्ति पर दृष्टिपात करें तो इसका शाब्दिक अर्थ है 'एक्यू' अर्थात् तीक्ष्ण या धारदार और प्रेशर का अर्थ है दबाव मानव शरीर के विविध भागों के निर्धारित बिन्दुओं पर अंगूठे या अन्य उपकरण से उचित दबाव देकर रोग से राहत दिलाने की इलाज प्रक्रिया को ही एक्यूप्रेशर पद्धति कहा गया है। हमारे देश में आज भी प्राणायाम, आसन, मुद्रा में कर्ण छेदक, शिखा-बंधक, चूड़ी-कड़े, हार, बावजूद, कवच-कुण्डल, खड़ाऊँ धारण करना, भूमि-शैय्या अथवा हरी घास पर नंगे पैर टहलना आदि का संबंध एक्यूप्रेशर से ही है।

मुझे खुशी है कि एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान, प्रयागराज इस सुलभ प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के विकास में निरंतर स्तुत्य सद्प्रयास कर रहा है। मैं संस्थान को एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति से मानव सेवा के लिए तथा उनकी त्रैमासिक पत्रिका 'सरस्वती' के सुरुचिपूर्ण प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

E-mail Date : **11 Feb., 2021**

(रमेश पोखरियाल 'निशंक')

अर्जुन राम मेघवाल
आई.ए.एस. (रिटायर्ड)
Arjun Ram Meghwal
I.A.S. (Retd.)

सत्यमेव जयते

भारी उद्योग एवं लोक उद्यम और
संसदीय कार्य राज्य मंत्री
भारत सरकार, नई दिल्ली-110011
MINISTER OF STATE FOR
HEAVY INDUSTRIES & PUBLIC ENTERPRISES
AND PARLIAMENTARY AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA, NEW DELHI-110011

संदेश

प्रिय श्री जे.पी. अग्रवाल जी,

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि आपकी संस्था **'एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान, प्रयागराज'** द्वारा त्रैमसिक शोध पत्रिका 'सरस्वती' वर्ष 2021 का प्रकाशन किया जा रहा है।

इस संस्था द्वारा समय-समय पर अनेक प्रकार के शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, इस संस्था द्वारा लगभग 5 करोड़ से अधिक रोगियों का उपचार तथा 5 लाख से अधिक उपचारकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। यह संस्था श्रद्धेय माता प्रसाद खेमका जी के उद्घोष Each One Reach One, Each One Teach One, Each One Treat One एवं Health for all के मार्ग पर चलने का प्रयास किया जा रहा है। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए निरंतर छोटे एवं बड़े प्रारूप के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

आपकी संस्था शल्य क्रिया के क्षेत्र में उल्लेखनीचय सेवाएँ प्रदान कर रही है, जिससे रोगियों का उपचार भी हो रहा है और उपचारकों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। वर्षपर्यन्त जारी शोध कार्य को पुस्तक के रूप में प्रकाशित करना एक बहुत अच्छा कदम है। संस्था के सदस्यगण सम्मान प्राप्त कर रहे हैं। आपकी संस्था की सेवाएं उत्तर प्रदेश और पूरे भारत वर्ष के लिए गौरव की बात है।

मुझे उम्मीद है कि आप द्वारा प्रकाशित शोध पत्रिका 'सरस्वती' से उपचारकों तथा शोधकर्ताओं का उत्साह बढ़ेगा और सेवा के लिए प्रेरित होंगे। अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी और संस्था उत्तरोत्तर प्रगति करेगी।

इस स्मारिका के प्रकाशन पर मैं अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ एवं संस्था के उज्ज्वल भविष्य और सफलता की कामना करता हूँ।

आपका

(अर्जुन राम मेघवाल)

श्री जे.पी. अग्रवाल
अध्यक्ष, एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान
49/24-ए, मिंटो रोड, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

श्रीपाद नाईक

Shripad Naik

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध
सोवा-रिग्पा एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय एवं रक्षा राज्य मंत्री
भारत सरकार

MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) FOR
AYURVEDA, YOGA & NATUROPATHY, UNANI, SIDDHA,
SOWA-RIGPA, HOMOEOPATHY (AYUSH) &
MINISTER OF STATE FOR DEFENCE
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

I am aware about the activities of ASPEUS in the field of health related problems by virtue of Acupressure (Non-invasive Acupuncture) purely a part of Naturopathy with successful treatment in various acute and chronic diseases. I appreciate the feeling and the movement for the services being provided to the ailing population of the country with almost no side effect, no much expenditure and with new opening for the self-generation of employment, without use of medicines and surgery, but by the use of seeds like Methi, put up on the joints of palm and feet with the help of paper tape, putting colors by a sketch pen, by pressing points on the body and also with the help of micro magnets cure effective noticeable and being spread all around the country.

I feel pleasure to write this message for publication in the Prospectus of Sir Mata Prasad Khemka Acupressure Mahavidyalaya, Jhunsi Chhatnag Prayagraj, where I was there to see the activities of ASPEUS officials and I addressed the gathering of large number of Acu therapists came for advance training during 20th Conference, 2018 in the month of November 2018.

I wish to fulfil the ASPEUS's aims to make **"Healthy and Wealthy India"** with the help of Acu skills.

दिनांक : 26 अक्टूबर, 2019

(Shripad Naik)

योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन
लखनऊ-22600

दिनांक : **23 सितम्बर, 2019**

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान, प्रयागराज द्वारा दिनांक 09 से 13 नवम्बर, 2019 तक चाइनीज़ एवं आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर विधा के विशेषज्ञों का राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका 'सरस्वती' का विशेष स्मारिका अंक भी प्रकाशित किया जाएगा।

संस्थान द्वारा एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति के माध्यम से लोगों के निःशुल्क उपचार का प्रयास सराहनीय है। मुझे आशा है कि सम्मेलन में इस चिकित्सा पद्धति के सम्बन्ध में सार्थक विचार-विमर्श किया जाएगा।

सम्मेलन एवं प्रशिक्षण शिविर के सफल आयोजन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(योगी आदित्यनाथ)

सत्यमेव जयते

अश्विनी कुमार चौबे
Ashwini Kumar Choubey

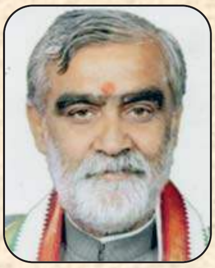

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR
HEALTH & FAMILY WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

मुझे हार्दिक प्रसन्नता है कि अग्रवाल जी एक्यूप्रेशर शोध, प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान, प्रयागराज आयुष के क्षेत्र में विगत 25 वर्षों से बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। इससे सम्बद्ध माता प्रसाद खेमका एक्यूप्रेशर महाविद्यालय (एसपस कॉलेज), छतनाग, झूँसी, प्रयागराज वर्ष 2010 से आयुष संबंधी (विशेष रूप से मर्मदाब चिकित्सा) शैक्षणिक तथा मेडिकल कॉलेज के तर्ज पर इनडोर रोगियों का आवासीय उपचार भी किया जा रहा है। छात्रावास में छात्रों तथा रोगियों की आवासीय क्षमता लगभग 300 की है। मैंने स्वयं एक्यूप्रेशर के इस महाविद्यालय के प्रांगण में राष्ट्रीय महासम्मेलन तथा अन्य अवसरों पर जाकर निरीक्षण के दौरान पाया कि यह राष्ट्रीय स्तर की एक्यूप्रेशर की उत्कृष्ट संस्था के रूप में प्रतिस्थापित है। जनमानस ने इसे स्वीकृति भी दे दी है। क्योंकि मुख्यालय तथा कॉलेज एक प्रयागराज से सम्बद्ध सेवा-केन्द्रों में लगभग 1000 रोगियों का प्रतिदिन उपचार इस विधा से हो रहा है। सामान्यतः रोगी पूरे देश से अन्य विधाओं से उपचार लेने के पश्चात थके हुए तथा निराश होकर आते हैं एवं लाभान्वित हो रहे हैं। मैंने स्वयं भव्य कुम्भ के दौरान ऐसे रोगियों में जीवन संचार विद्युतीय गति से देखा है। रोगियों ने संवाद के दौरान संस्थान के सेवादल के सदस्यों, पदाधिकारियों एवं चिकित्सा पद्धति की भूरि-भूरि प्रसंशा की।

जनमानस की मौन स्वीकृति के पश्चात स्वास्थ्य मंत्रालय एवं आयुष मंत्रालय के स्तर पर गहन मंथन के पश्चात इस संस्था को उत्कृष्ट संस्था घोषित करने की दिशा में कदम उठाये जा रहे हैं।

मेरी निजी राय है कि राष्ट्रीय स्तर के प्रथम शैक्षणिक तथा उपचार का केन्द्र होने के कारण इसे राष्ट्र-हित में राजकीय मान्यता की आवश्यकता है।

संस्था के महाविद्यालय के प्रचार-प्रसार में महाविद्यालय अनुदेशिका के माध्यम से पूरे भारतवर्ष में प्रसार के लिए मैं संस्थान को अग्रिम रूप से शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

दिनांक : 17 अक्टूबर, 2019
स्थान : नई दिल्ली

(अश्विनी कुमार चौबे)

उप मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

केशव प्रसाद मौर्य

विधान भवन
लखनऊ

नवम्बर, 2019

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान, प्रयागराज द्वारा चाइनीज/आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर का 21वां राष्ट्रीय सम्मेलन दिनांक 9 नवम्बर, 2019 से 13 नवम्बर, 2019 तक एसपस कालेज, छतनाग, झूँसी, प्रयाग में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर संस्थान की त्रैमासिक एक्यूप्रेशर 'सरस्वती' पत्रिका का का विमोचन भी प्रस्तावित है।

संस्थान द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक्यूप्रेशर पद्धति द्वारा गम्भीर रोगियों का उपचार विगत 25 वर्षों से हो रहा है। साथ ही संस्था के शोध कक्ष द्वारा गहन अध्ययन एवं शोध कार्य किया जा रहा है। इसके फलस्वरूप लगभग 110 पुस्तकों का सृजन हुआ है। संस्थान द्वारा देश के कोने-कोने से प्रशिक्षण के कार्यक्रम तथा उपचार केन्द्र चलाया जा रहा है। मुझे यह बताया यह पद्धति सीखने एवं उपचार में सहज तथा न्यूनतम खर्च वाली है। इसमें किसी दवा के अभाव में उपचार के कोई प्रतिभाव भी नहीं देखे गये हैं।

लगातार 21 वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आयोजित करना इस पद्धति के लोकप्रियता का परिचायक है। संस्थान से प्रशिक्षित उपचारकों के लिए सेवायोजना का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। यह उपचार पद्धति भविष्य की प्रमुख उपचार पद्धति सिद्ध होगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

अग्रिम शुभकामनाएँ।

आपका

(केशव प्रसाद मौर्य)

स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान
Swami Vivekanand Yoga Anusandhana Samsthana
(Declared as Deemed-to-be University under Sec on 3 of the UGC Act, 1956)
Eknath Bhavan, #19, Gavipuram Circle, Kempegowda Nagar, Bangalore - 560019
Ph. : 080-2661 2669, Telefax : 080 - 2660 8645
E-mail : svyasa@vyasa.org Website : www.svyasa.org

November 10, 2020

MESSAGE

I am happy to know that Acupressure Shodh Prashikshan Evam Upchar Sansthan, Prayagraj is going to hold 22nd Na onal conference cum super advance training in the last week of November 2020 from 26.11.2020 to 30.11.2020 which is a pres gious programme and annual feature of the Sansthan. The Integrated approach of Yoga therapy adopts non pharmacological aspects of Integra ve Medicine working at gross, subtle and causal layers of our body. Handling subtle energies is vital in dealing with NCD's of modern era bringing balance of Prana and Upa pranas at Pranamaya Kosa flowing through 72 lakh nadi's is the key for preven on of NCD's and promo on of posi ve health, Acupressure plays a great role in achieving this objec ve with ease. I am overwhelmed that one therapist from ASPEUS campus has been deputed at SVYASA Acupressure/Acupuncture sec on and the therapy is providing an overall improvement in the condi on of Chronic and cri cal pa ents. In this regard, I extend my best wishes for the success of this conference and my hear est blessings to the acutherapist and dedicated office bearers of Acupressure Shodh Prashikshan Evam Upchar Sansthan (ASPEUS, Prayagraj).

With Love,

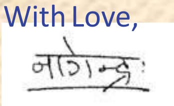

Dr. H.R. Nagendra
Chancellor, S-VYASA
President, VYASA
Chairman, IUC-YS

स्वामी रामदेव
अध्यक्ष

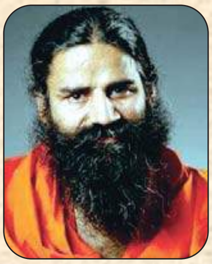

पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट)
Patanjali Yogpeeth (Trust)

दिनांक : **22.10.2019**

संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि सांस्कृतिक नगरी प्रयागराज में एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान द्वारा चाइनीज एवं आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर विधा के 21वें राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 9 से 13 नवम्बर, 2019 तक किया जा रहा है। आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर पद्धति का मानव जीवन में विशिष्ट स्थान देखने को मिलता है। आज की भाग-दौड़ती जिन्दगी में अनेक व्याधियाँ मानव शरीर में अपना घर बना चुकी हैं। मनुष्य के शरीर में विभिन्न प्रकार की व्याधियों को दूर करने के लिए कुछ एक्यूप्रेशर बिन्दु विद्यमान हैं, जिनका ज्ञान हम नहीं कर पाते।

चाइनीज एवं आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत होने वाले नवीन शोध कार्यों से समस्त देशवासियों को विभिन्न रोगों के निदान में एक्यूप्रेशर चिकित्सा का ज्ञान प्राप्त होगा। इसी अवसर पर प्रकाशित होने वाली त्रैमासिक पत्रिका 'सरस्वती' से भी चाइनीज एवं आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर विधा पर आधारित अनेक महत्वपूर्ण लेखों एवं शोध-पत्रों से अत्यन्त ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी जानकारी जन-जन में पहुँचेगी।

मुझे विश्वास है कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रशिक्षण शिविर शरीर के साथ-साथ मन को भी स्वस्थ बनाएगा, जिससे मानव शरीर में आन्तरिक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। इस सम्मेलन के आयोजक एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान, प्रयागराज एवं इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका 'सरस्वती' के समस्त सदस्यों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(स्वामी रामदेव)
अध्यक्ष

न्यूरो स्पाइनल सेन्टर एण्ड मैटरनिटी क्लीनिक

डा० प्रकाश खेतान

MS (Gen. Surg), DNB Mhh (Neuro), KGMC (Lucknow)
Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़, नस रोग विशेषज्ञ
Ex. Consultant Neurosurgeon Fortis Hospital, New Delhi
Fortis

- Recipient of **"Guinness World Record"** for successfully taking out **"296 Hydatid Cyst"** From Brain
- Recipient **"Limca Worl Record"** 2012
- Brand Ambassador Allahabad Museum
- Author **"Review of Neurosurgery"**
- Specialization in Endoscopic and Micro Neurosurgery

डा० सुषमा खेतान

MBBS (Hons.) DNB (Obst & Gynae)
(Obstetrician & Gynaecologist)
स्त्री रोग एवं प्रसूति विशेषज्ञ
लेप्रोस्कोपिक गाइनी सर्जन

- Ex Registrar
  Department of obst & Gynaecologist
  Kamla Nehru Hospital, Allahabad
- Ex Senior Resident
  Ambedkar Hospita, New Delhi
- Ex Resident
  King George Medical College, Lucknow

संदेश

मुझे लगता है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सर आइजक न्यूटन जैसे आश्चर्य के क्षण आते हैं, जो विज्ञान को दिशा देने का कार्य करते हैं। ऐसे अविष्कार किसी भी क्षेत्र में हो सकते हैं। चिकित्सा जगत में अनेक पद्धतियाँ हैं, जिनमें पाश्चात्य चिकित्सा (एलोपैथ) है, परन्तु सभी चिकित्सा पद्धतियों का एक दायरा है। हर पद्धति किसी विषय विशेष में अत्यन्त प्रभावी है तो किसी विषय विशेष में गौण हो जाती है।

आज पुनः प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़रही है। जिनमें एक्यूप्रेशर (प्राकृतिक चिकित्सा) एक प्रभावी एवं प्रमुख चिकित्सा पद्धति के रूप में स्थापित हो रही है। इस क्षेत्र में एक्यू.शो.प्र. एवं उपचार संस्थान, प्रयागराज के शोध विभाग द्वारा वैज्ञानिकता आधारित अनेक रोगों पर शोध कार्य किये जा रहे हैं जो अनेक गंभीर रोगों के उपचार में प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं।

मुझे व्यक्तिगत रूप से न्यूरोसर्जन के रूप में संस्था के अनेकों गम्भीर रोगियों को देखने का अवसर प्राप्त हुआ तथा अनेक रोगियों में एक्यूप्रेशर के परिणाम उत्साहवर्धक रहे हैं। मैंने स्वयं मस्तिष्क के गंभीर रोगों में एक्यूप्रेशर के उपचार से सुखद एवं आश्चर्यजनक परिणाम देखे हैं।

कुछ Brain Stem Tumor जिनमें सर्जरी संभव नहीं है, लाइलाज मानकर भेजे गए कुछ Cases में अत्यन्त उत्साहजनक परिणाम मिले। इस पद्धति की जागरूकता व शोध कर्म से ऐसा प्रतीत होता है कि निकट भविष्य में लाइलाज समझने वाली कुछ बीमारियों में सुखद परिणाम मिलेंगे।

निश्चित रूप से कह सकता हूँ कि एक्यूप्रेशर एक प्रभावी चिकित्सा पद्धति है जिस पर गहन शोध की आवश्यकता है।

संस्थान का शोध प्रकोष्ठ मेरे तथा जे.पी. अग्रवाल, पारूल, प्रो. आलोक, प्रो. अर्चना दुबे, प्रो. राम कुमार, प्रो. प्रभात वर्मा, प्रो. विशाल जायसवाल आदि के नेतृत्व में निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

मानव सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था का वैश्विक स्तर पर विस्तार करना एवं स्थापित करना हम सभी का दायित्व है।

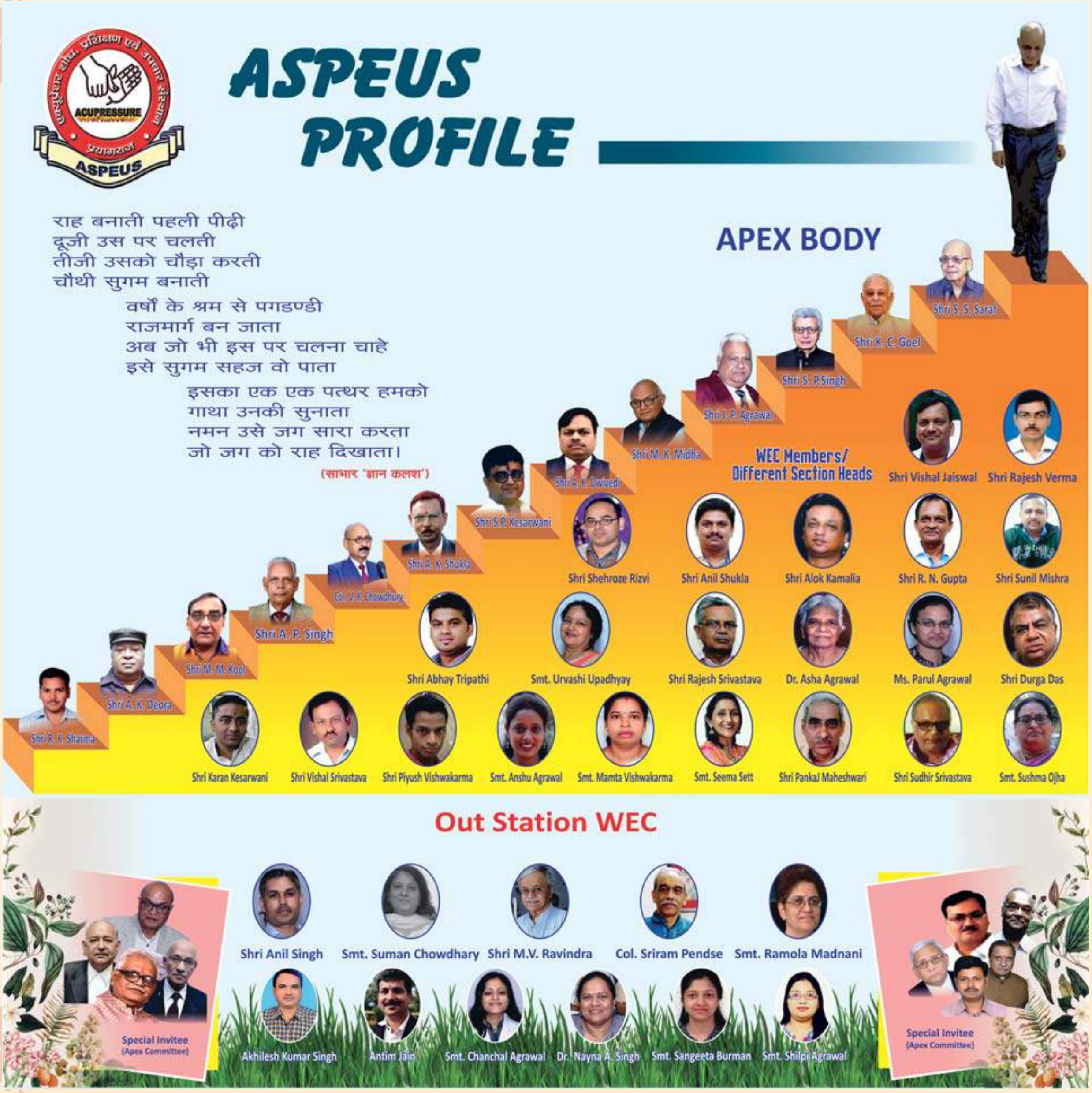
ASPEUS
PROFILE
राह बनाती पहली पीढ़ी
दूजी उस पर चलती
तीजी उसको चौड़ा करती
चौथी सुगम बनाती
वर्षों के श्रम से पगडण्डी
राजमार्ग बन जाता
अब जो भी इस पर चलना चाहे
इसे सुगम सहज वो पाता
इसका एक एक पत्थर हमको
गाथा उनकी सुनाता
नमन उसे जग सारा करता
जो जग को राह दिखाता।
(साभार 'ज्ञान कलश')
APEX BODY
Shri R. K. Sharma
Shri A. K. Deora
Shri M. M. Kool
Shri A. P. Singh
Col. V. K. Chowdhury
Shri A. K. Shukla
Shri S. P. Kesarwani
Shri A. K. Dwivedi
Shri M. K. Midha
Shri J. P. Agrawal
Shri S. P.Singh
Shri K. C. Goel
Shri S. S. Saraf
WEC Members/
Different Section Heads
Shri Vishal Jaiswal
Shri Rajesh Verma
Shri Shehroze Rizvi
Shri Anil Shukla
Shri Alok Kamalia
Shri R. N. Gupta
Shri Sunil Mishra
Shri Abhay Tripathi
Smt. Urvashi Upadhyay
Shri Rajesh Srivastava
Dr. Asha Agrawal
Ms. Parul Agrawal
Shri Durga Das
Shri Karan Kesarwani
Shri Vishal Srivastava
Shri Piyush Vishwakarma
Smt. Anshu Agrawal
Smt. Mamta Vishwakarma
Smt. Seema Sett
Shri Pankaj Maheshwari
Shri Sudhir Srivastava
Smt. Sushma Ojha
Out Station WEC
Shri Anil Singh
Smt. Suman Chowdhary
Shri M.V. Ravindra
Col. Sriram Pendse
Smt. Ramola Madnani
Akhilesh Kumar Singh
Antim Jain
Smt. Chanchal Agrawal
Dr. Nayna A. Singh
Smt. Sangeeta Burman
Smt. Shilpi Agrawal
Special Invitee
(Apex Committee)
Special Invitee
(Apex Committee)

ASPEUS Corresspondence Course Coordinators, 2020

Vishal Jaiswal (National)
Prayagraj

Rajesh Verma (Local)
Prayagraj

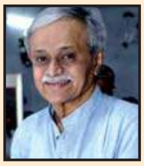
M. V. Ravindra
Bangalore

Anil Kumar Singh
Surat

Shahroze Rizvi
Delhi

Ramola Madanani
Delhi

Akhilesh Singh
Delhi

Seema Sett
Prayagraj

Col. Shriram Pendse
Pune

Amrit Gurvendra
Haridwar

Sangeeta Burman
Faridabad

Satendra Mishra
Lucknow

Jagruti Mistry
Vadodara

Chanchal Agrawal
Kolkata

Alka Kadecha
Ahmedabad

Rinku Porwal
Indore

V.K. Bhatnagar
Kota

Sonia Ahuja
New Delhi

Sanjay Singh
Gorakhpur

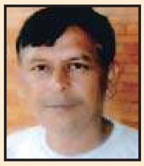
Mr. Sanjeev Kumar
Dhampur

Amar Pal Singh
Bijnor

Shambhu Ji
Jaipur

Subhash Chandra
Delhi

Vijay Tanna
Nasik

Anita Agrawal
Lucknow

Smita Atul
Sangali

K.P. Ranjan
Kunnur (Kerala)

S. Palli Sami
Coimbatore

Shiv Kumar Sharma
Barielly

Jitendra Gupta
Jaipur

ASPEUS Corresspondence Course Coordinators, 2020

P.K. Suri
Delhi

Humera Siddiqua
Bengaluru

C.P. Dwivedi
Gorakhpur

Shiv Yog Swami
Devangiri

Arun Kumar
Karnal

Parmanand Gupta
Chandigarh

D.K. Srivastava
Jhansi

Prasanna Kumar
Banda

Maya Pagade
Bhilai

Sangeeta Jain
Prayagraj

Jag Lal
Prayagraj

Shailendra Mohan Tiwari
Behraich

Dr. Ahmed Raza
Mumbai

Pushpa Mohan
Chennai

Sunil Waghmare
Mumbai

Hude Vilas
Ahmednagar

Subha Jain
Bahraich

B.A. Chaubey
Bhopal

Sushil Kumar
Faridabad

Arvind Palke
Kolhapur

Laxmi Jayaswal
Ahemdabad

G.G. Saulanke
Belgaun

Sunil Danmal Nahar
Ahmednagar

Somesh Tiwari
Pune

Manvendra Mandal
Assam

Gayan
Noida

Vaibhavi Gorpade
Pune

Rakesh Chandra
Jaipur

Deepak Raj
Jhansi

Dr. Padam Nabh Vyas
Jaipur

ASPEUS Corresspondence Course Coordinators, 2021

Smt. Manju Singh
Varanasi

Srikant Yadav
Gaya

A.P. Chandravanshi
Raibareily

R.P. Pushkar
Ghaziabad

Anitha Pai
Hubli

R.N. Yadav
Faizabad

Dr. Saraswati Kala
Dehradun

Jai Prakash Rao
Deoria

Nidhi Jain
Indore

Pallavi Rastogi Garg
Meerut

Ajay Verma
Gorakhpur

Deepak Ojha
Darbhanga

G.B. Deshmukh
Wardha

Girish Goenka
Jaipur

Devesh Mehlawat
Gurgaon

Mr. Raj Kumar
New Delhi

Rishabh Gupta
Muzaffarnagar

Dr. Shaila Sawant
Mumbai

Shushil Kr. Sawant
Mumbai

Arpan Sharma
Haridwar

Nippu ojha
Chapra

Talla Sammaih
Warangal

Haresh N. Vyas
Rajkot

Sapana Sondurya
Haridwar

Yogesh Saraswat
Bhopal

Bhagwan Prasad
Buxar

Richa Mishra
Nagpur

Arvind Srivastava
Noida

Shreya Gadiya
Udaipur

PROGRAM STRUCTURE OF "CORRESPONDENCE COURSE"

1. The Acupressure Shodh, Prashikshan Evam Upchar Sansthan is conducting correspondence Courses in Acupressure Healing Sciences, which are as follows :

Name of Course	Short Name	Duration
Certificate in Acupressure Healing Science	CAHS - corr.	One semester of six months
Diploma in Acupressure Healing Science	DAHS - corr.	Two semesters, each of six months
Advance Diploma in Acupressure Healing Science	ADAHS - corr.	Four semesters, each of six months
Master Advance Diploma in Acupressure Healing Science	MADHS - corr.	Six semesters, each of six months

2. **Sessions:** There will be two semesters every year and session will start twice a year – **January and July**. Accordingly, examinations will be held twice a year, i.e. in the month of June and December.

3. **Lateral Entry:** Fresh Students can take admission only in Certificate programme and they can take admission after clearing it, in further programmes. However, they will get benefit of semester cleared previously either from this Sansthan or from any other recognized University / Institution.

   For example : If someone has cleared Certificate programme of one semester and wants to take admission in Diploma Programme, he will get benefit of one semester and he has to clear only second semester of Diploma Programme and accordingly in other Programmes too.

4. **Description of Correspondence Courses :**

   (A) About Course :

S.No.	Program	No. of Paper	Semester	Theory Paper	Theory marks	Assignment Marks	Practical Marks	Project Marks	Total Marks
1	CAHS	3	1	3	300	50 × 3=150	50 × 3 = 150	-	600
2	DAHS	6	2	6	600	50 × 3=150	50 × 3 = 150	-	900
3	ADAHS	12	3 & 4	12	1200	50 × 6=300	50 × 6 = 300	100	1900
4	MADAHS	18	5 & 6	18	1800	No Assin.	50 x 6 = 300	300	2400

(B) Papers and Marks Allotment (for every paper in each semester) :

	Paper	Theory	Practical	Assignment	Total
1.	Basics of Human Body (BHB)	100	50	50	200
2.	Chinese Acupressure (CA)	100	50	50	200
3.	Ayurvedic Acupressure (AA)	100	50	50	200

Note :-

In Semester-1	Paper names will be BHB-1-corr.	CA-1-corr.	AA-1-corr.
In Semester-2	Paper names will be BHB-2-corr.	CA-2-corr.	AA-2-corr.
In Semester-3	Paper names will be BHB-3-corr.	CA-3-corr.	AA-3-corr.
In Semester-4	Paper names will be BHB-4-corr.	CA-4-corr.	AA-4-corr.
In Semester-5	Paper names will be BHB-5-corr.	CA-5-corr.	AA-5-corr.
In Semester-6	Paper names will be BHB-6-corr.	CA-6-corr.	AA-6-corr.

(C) Teaching Time Table, Course Books and Class Schedule :

(C1) For Local / Outstation - Compact Class (7 hrs/day - 6 days)

(May be adjusted for outstation classes as per co-ordinator/students suitability, but 42 hrs schedule compulsory)

Paper	Theory hrs.	Practical hrs.	Total Hrs. (in 6 days)	Total hrs. (Each paper)
1. BHB	1½ hrs.	½ hr.	2 hrs.	(*6) 12 hrs.
2. CA	1½ hrs	1 hr.	2½ hrs.	(*6) 15 hrs.
3. AA	1½ hrs.	1 hr.	2½ hrs.	(*6) 15 hrs.
Total	4½ hrs.	2½ hrs.	7hrs/day	(*6) 42 hrs./sem

Note:- Every day - 7 hrs classes = 4½ hrs theory, 2½ hrs practical.

(In 6 days (one sem) = 42 hrs = 27 hrs theory, 15 hrs practical.)

Detailed Syllabus of Correspondence Course :

(a proposed schedule with 2 breaks of 15 min each i.e. 7:30 hrs/day. (Topics 1 2 3 may be interchanged)

Note : Prescribed books of study will be supplied free of cost by the sansthan but the books given in the previous semester will not be given in the next semester. Replacement against prescribed books will not be permitted.

CAHS (Correspondence) Sem-1 (6 Days)		
1. Basics of Human Body (BHB-1)	2. Chinese Acupressure (CA-1)	3. Ayurvedic Acupressure (AA-1)
1. Manav Sharir Vigyan - (Ch - 1 to 5) Introduction of Body Systems	1. Treatise I 2. Single Point -I 3. Sushrut Rang Chikitsa (P. 62-95) 4. Sujok Acupressure Reference Books : 1. Treatise -II 2. Handbook -1 3. Handbook - 2	1. Bhardwaj Ayurvedic Acupressure 2. Agnivesh Ayurvedic Acupressure (Ch 4 to 7) 3. Chyawan Rishi (Ayu Protocols) - Protocols based on only VM, HZM, Spm & NCH Reference books : 1. AA Treatment Hand Book-1 & 2 (Summary Related to Vm, Hzm, Spm, NCH) 2. Seed Therapy

Sem - 1	Sub	Theory (1.30 Hr)	Practical (0.30 Hr)	Break	Sub	Theory (1.30 Hr)	Practical (0.30 Hr)	Break	Sub	Theory (1.30 Hr)	Practical (0.30 Hr)	Break
Day-1	BHB	Manav Sharir Vigyan (Pg 1 to 9) Ch - 1 Homeostasis Ch - 2 Cell	Filling Prescription		CA	Treatise 1 What is Acu, Five Elements (Pg 1 to 13)	Sujok Corr., Lu, Li, Byol Chart		AA	Agnivesh (Summary) (Ch. 4 to 7)	Corr. (External)	
Day-2	BHB	Ch - 3 Blood (Pg 10 to 20)	B.P. Weight Hight Pulse		CA	Five Shu Point Law of Yuan Source, Disital, Influential, Xi-cleft, Passage Point. Intro of 4 Meridians (Pg 14-21, 28,31,33,35,39)	Meridians Sp, St, H Byol Chart		AA	Bharadwaj Tulyarthata, Corr. Of Organ, Body Parts (Pg 2-12,57,77-98)	Corr. (Internal)	
Day-3	BHB	Ch - 3 Blood (Pg 21 to 25)	Reading Reports (Blood)		CA	Law of Alarm Point, Horary, First & Last, Root & Fruit, Source Point. Intro of 5 Meridians (Pg 40, 44, 46, 55, 95)	Meridians Si, K Byol Chart		AA	Ten Origen System (Pg 13-25)	VM	
Day-4	BHB	Ch - 4 Digestive System (Pg 35 to 47)	Reading Reports (Blood)		CA	Treatment of Cervical Endocrines, Law of Regulating Bowels, Sprains, Emotions. Intro of 5 Meridians (Pg 50, 53, 63, 64, 71)	Meridians UB, P, Tw Byol Chart		AA	V.P.K., Samanya Vishesh, Ayurvedic Biological Clock & Lifestyle (Pg 26,27,44-55)	HZM	
Day-5	BHB	Ch - 4 Food & Nutrition (Pg 48 to 57)	Reading Reports (Blood)		CA	Sushrut Rang Chikitsa (Pg No. 62 to 95)	Meridians Liv, GB Byol Chart		AA	Dign & Treat (10-Ori. Fing & Toes, Twist, Head Regional, Seasonal, Phalnges, Pregnancy Treatment (Pg 101, 102, 111, 118, 119, 124, 131-133)	+NCH	
Day-6	BHB	Manav Sharir Vigyan Ch - 1 to 5 Revision	Reading Reports (General)		CA	Single Point - Part 1	Meridians CV, GV Byol Chart		AA	Rishi Chyawan	+NCH	

DAHS (Correspondence) Sem-2 (6 Days)

1. Basic of Human Body (BHB-2)	2. Chinese Acupressure (CA-2)	3. Ayurvedic Acupressure (AA-2)
1. Manav Sharir Vigyan - (Ch 6 to 10)	1. Treatise VII (Ch - 1, 4,5,6,7,8,9) (Fundamentals of TCM) 2. Single Point - 2 Reference Books : 1. Chinese Acupressure Handbook-1 2. Chinese Acupressure Handbook-2 3. Therapist Handbook	1. Charak - 1 (Page 1 to 100) Focus on six components Dravya, Guna, Karma, Ten Elements 2. Charak - 3 (Only spine section) Pg. No. 71 to 109 Pg. No. 125 to 155. Reference Books : 1. Ayurvedic Acupressure Handbook 1, 2 & 3 2. Ayurvedic Acupressure Colour Vol-1

Sem - 2	Sub	Theory (1.30 Hr)	Practical (0.30 Hr)	Break	Sub	Theory (1.30 Hr)	Practical (0.30 Hr)	Break	Sub	Theory (1.30 Hr)	Practical (0.30 Hr)	Break
Day-1	BHB	Manav Sharir Vigyan (Pg 58-73) Ch-6 Circulatory System	Reports (C.S.)		CA	Treatise-VII Ch-1 (Pg 40,51,55) Ch-2 (Pg 71)	Treatment Protocols on Byol Meridian		AA	Charak-1 (Pg 1-25)	Revi. of all Ayurvedic VM, HZM, Spm	
Day-2	BHB	Ch-7 Respiratory System (Pg 74-83) Ch-8 Excretory System (Pg 84-91)	Reports (R.S.,E.S)		CA	Treatise-VII Ch-4 (Pg 85-97)			AA	Charak-1 (Pg 26-99) (Pg. 26-50)	LVM RLVM	
Day-3	BHB	Ch-9 Endocrine System (Pg 92-105)	Reports (Endo Sys.)		CA	Treatise-VII Ch-5 (Pg 98-112) Ch-6 (Pg 113-118)			AA	Charak-1 (Pg. 51-75)	LHM RLHM	
Day-4	BHB	Ch-9 Endocrine System (Pg 105-118)	Reports (Endo Sys.)		CA	Treatise-VII Ch-7, 8, 9 (Pg 119-151)			AA	Charak-1 (Pg. 76-100)	OF- VM LVM RLVM	
Day-5	BHB	Ch-10 Reproductive System (Pg 119-131)	Reports (Reprod. Sys.)		CA	Treatise-VII Ch-9 (Pg 152-182)			AA	Charak-3 Spine Section (Pg. 71-109)	OF - LHM HZM RLHM	
Day-6	BHB	Manav Sharir Vigyan Ch - 6 to 10 Revision	Reports (MRI, USG, X-Ray etc.)		CA	Single Point - Part 2			AA	Charak-3 Spine Section (Pg. 125-155)	Spm	

ADAHS (Correspondence) Sem-3 (6 Days)

1. Basic of Human Body (BHB-3)	2. Chinese Acupressure (CA-3)	3. Ayurvedic Acupressure (AA-3)
1. Manav Sharir Vigyan (Ch 11 to 15) 2. Parikshan-1 (Ch 1 to 7)	1. Treatise - III (EAV) 2. Treatise - IV (EAV) 3. Single Point - III Reference Books : 1. Chinese Acupressure Handbook-1 2. Chinese Acupressure Handbook-2 3. Treatise - V 4. Therapist Hand Book	1. Charak-1 Special Focus on V,P,K & Dhatu, Mal (Ch 5, Page 101 to 156) Sub Regional (Page 201 upto last) 2. Attrey (Page 90-142) 3. Hipppocratus - 1 (Ch 2,3 - Page 19-142) Reference Books : 1. Ayurvedic Treatment Handbook 1, 2 & 3 2. Kanva Rishi (Colour Book Vol-2)

Sem - 3	Sub	Theory (1.30 Hr)	Practical (0.30 Hr)	Break	Sub	Theory (1.30 Hr)	Practical (0.30 Hr)	Break	Sub	Theory (1.30 Hr)	Practical (0.30 Hr)	Break
Day-1	BHB	Manav Sharir Vigyan (Pg 132-154) Ch-11 Locomotor + Musc. + N. Sys.	Reports Related to system		CA	Treatise-III Ch-1 to 5 (Pg 11-53)	Treatment Protocols on Dr. Voll Meridian		AA	Charak-1 (Pg 101-138) Special Focus on Vata, Pitta, Kaph & Dhatu	Revision of Meridian VM, LVM, RLVM, HZM (OF)	
Day-2	BHB	Manav Sharir Vigyan (Pg 155-177) Ch-11 Locomotor + Musc. + N. Sys.			CA	Treatise-III Ch-6 to 11 (Pg 54-93)			AA	Charak-1 (Pg 144-156, 213-268)	LHM (OF), RLHM (OF), Spm (OF)	
Day-3	BHB	Manav Sharir Vigyan (Pg 178-199) Ch-11 Locomotor + Musc. + N. Sys.			CA	Treatise-IV (Pg 8-21)			AA	Attreya (Pg 6-21)	Ploting as Per AA HB-1 & 2	
Day-4	BHB	Manav Sharir Vigyan Ch-12 Sense Organ (Pg 200-206) Ch-13 Lymphatic Sys. (Pg 207-211)			CA	Treatise-IV (Pg 22-96) Special Focus on Pg 25,35,57,59,73			AA	Attreya (Pg 22-31)	Ploting as Per AA HB-1 & 2	
Day-5	BHB	Manav Sharir Vigyan Ch-14 Intega. Sys. (Pg 212-215) Ch-15 Nor. Value In Blood (Pg 216-217)			CA	Treatise-IV (Pg 97-241)			AA	Hippocratus-1, Ch-2	Ploting as Per AA HB-1 & 2	
Day-6	BHB	Parikshan Part 1 Ch-1 to 7 (Pg 5-88)			CA	Single Point - Part 3 (First Half)			AA	Hippocratus-1, Ch-3	Ploting as Per AA HB-1 & 2	

ADAHS (Correspondence) Sem-4 (6 Days)

1. Basic of Human Body (BHB-4)	2. Chinese Acupressure (CA-4)	3. Ayurvedic Acupressure (AA-4)
1. Manav Sharir Vigyan Revision of entire Book 2. Parikshan-1 (Ch - 8 upto Last)	1. Treatise - VI (EOV) 2. Patanjali Yogic Acupressure Reference Books : 1. Chinese Acupressure Handbook 1 2. Chinese Acupressure Handbook 2 3. Therapist Handbook	1. Charak-3 (Brain Section - Page 182 - 243) 2. Charak 2 Detailed study of Meridian, Ten Elements (Page 1 to 163) 3. Dhanvantri Acupressure (F.No - 0 to 9, Page 40 to 165) Description of the table & Treatment Protocol Reference Books : 1. Ayurvedic Treatment Handbook 1, 2 & 3

Sem - 4	Sub	Theory (1.30 Hr)	Practical (0.30 Hr)	Break	Sub	Theory (1.30 Hr)	Practical (0.30 Hr)	Break	Sub	Theory (1.30 Hr)	Practical (0.30 Hr)	Break
Day-1	BHB	Manav Sharir Vigyan (Revision) Ch 1 to 4	Reports Related to system		CA	Treatise-VI, Ch 1 to 2 (Pg 03-52)	Application of Treatment Protocols on Byol Meridians		AA	Charak-2, Ch 8	Group Meridian Ploting as per HB 1 & 2	
Day-2	BHB	Manav Sharir Vigyan (Revision) Ch 5 to 8			CA	Treatise-VI, Ch 3 to 6 (Pg 53-110)			AA	Charak-2, Ch 9 (Pg. 141-163)	Group Meridian Ploting as per HB 1 & 2	
Day-3	BHB	Manav Sharir Vigyan (Revision) Ch 8 to 11			CA	Treatise-VI, Ch 7 to 9 (Pg 111-128) Sec-2 Treatment Protocol (Pg 130 to 180)			AA	Charak-3 , Ch-2 (Brain Section, Pg 49 to 61, Pg 67 to 70)	Group Meridian Ploting as per HB 1, 2 & 3	
Day-4	BHB	Manav Sharir Vigyan (Revision) Ch 12 to 15			CA	Treatise-VI, Sec-2 Treatment Protocol (Pg 181 to 227)			AA	Charak-3 , Ch-5 (Brain Section, Pg 182 to 238)	Group Meridian Ploting as per HB 1, 2 & 3	
Day-5	BHB	Parikshan Part 1 Ch-8 to 11 (Pg 89-117)			CA	Patanjali Yogic Acupressure (Pg 1 to 28)			AA	Dhanvantari Acupressure (Pg 40 to 123)	Group Meridian Ploting as per HB 1, 2 & 3	
Day-6	BHB	Parikshan Part 1 Ch-12 to Last (Pg 118-161) With Revision			CA	Patanjali Yogic Acupressure (Pg 162 to 189) upto Immune System			AA	Dhanvantari Acupressure (Pg 124 to 165)	Ploting as per HB 1, 2 & 3	

Objective of course

Join to -

1. Gain professional efficiency.
2. Depth knowledge of concepts of TCM & Ayurvedic Acupressure.
3. Better understanding of making treatment protocols.
4. Better understanding of disease pattern.
5. New and practical approaches of treatment patterns.
6. Study about general medical reports/medical terminology.
7. Selection of meridian/srotas and points concept.
8. Focus more concretely on learning outcomes.

Books: Hindi/English/Bilingual

Fees: of Sem 5/6 Rs.9000/ each Semester + 500 (ARF/Yr) Sharing conditions are as usual.

MADAHS - I (Correspondence) Sem-5 (6 Days)

Subject		S.No.	Books	Contents of book
BHB	8 Hrs	1	Fund. of human physiology Vol I by Dr.G.C.Agrawal	Specialized chapters - 1 to 4 (8 Hrs)
				BHB based on Treatise 11,12,13 & 15 (3 Hrs)
CA	15 Hrs	1	Treatise 11 **Ch-5, 11, 13, 21, 33, 43, 44, 46, 50, 53, 54**	Summary - 3 Hrs
		2	Treatise 12, **Ch-8, 12, 13, 18 20, 25, 26, 27, 31, 33, 34**	Summary - 3 Hrs
		3	Treatise 13 **Ch-11, 12, 13, 14, 15 16, 17, 19, 20, 21, 23, 30, 33, 34, 36, 38-40**	Summary - 3 Hrs
		4	Treatise 15, **Ch-9-16, 18, 19, 20 21-27, 31, 38, 45, 47, 49, 50, 51, 56**	Summary - 3 Hrs
AA	15 Hrs	1	Charak 1	**Fundamentals of Ayurvedic Acupressure** Six components, 10 Dravyas, Vata, Pitta, Kapha, Mala - Dhatus
		2	Charak 2	Theory from Charak 2 - Regional diagnosis 1- based on hand book I(Pg.64-85,94 -113)
		3	Charak 3	Theory from Charak 3 of Spine section based on hand book III- Pg. 101 - 128
		4	Hippocratus 1	Protocols
		5	Hippocratus 2	Protocols
		6	Hippocratus 3	Protocols
		7	Ayurvedic hand book 1	Regional diagnosis 1- Pg.64 - 85, 94 - 113
		8	Ayurvedic hand book 3	Regional diagnosis 1- Pg. 101 - 128
Interaction Session	4 Hrs	**Interaction session (In place of practical classes)**		

Note: The books will not be provided which have already been given in previous semesters.

MADAHS - II (Correspondence) Sem-6 (6 Days)

SUBJECT	S.No.	BOOKS	CONTENTS OF BOOK
CA	1	Treatise 19	**Focused on Ch. 2, 6,9,10,15,16,17,19,20,27** Chapter 2. Atrophy Syndrome Chapter 6. Nephritis Chapter 9. Painful urination Syndrome Chapter 10. Blood in Urine Chapter 15.Constipation Chapter 16. Abdominal Pain Chapter 17. Epigastrium Pain Chapter 19. Tinnitus Chapter 20. Edema Chapter 27. Tiredness
	2	Treatise 20	**Focused on Ch. 1,2,3,4,5,6,7,8,9** Chapter 1. Infertility Chapter 2. Abortion Chapter 3. Menorrhagia and metorrhagia Chapter 4. Dysmenorrhea Chapter 5. Premenstrual Syndrome Chapter 6. Abnormal vaginal Discharge Chapter 7. Abnormal Menstruation Chapter 8. Amenorrhea Chapter 9. Anovulatory functional uterine bleeding
AA	1	CM in AM Vol-1	Entire book
	2	CM in AM Vol-2	Entire book
	3	Ayurvedic Colour Therapy Vol. 2	**Chapter 3, 4** Chapter 3. The Therapeutic Importance of clours Chapter 4. Treatment by colour
	4	Ayurvedic Colour Therapy Vol. 1	Chapter 4. Protocols by colour
BHB	1	An Introduction to Human Anatomy (Dr. G.C. Agrawal)	**Advanced Study based on Human Anatomy** Chapter 2. Introduction to subject of anatomy Chapter 4. Osteology Chapter 7. Thorax and the organs Chapter 8. Abdomen and the organs, Pelvis and the organs Chapter 10. The Ductless Glands *Note: Summary of CH.7, 8 in respect of organs of Thorax and abdominal cavity already studied in the previous semesters.Ref. Manav Sharir Vigyan by Dr. G. C. Agrawal*

Subject : 1. Chinese Acupressure – 14 Hours
2. Ayurvedic Acupressure – 14 Hours
3. Basics of human body – 14 hours

Project: Project is to be submitted by students before two months of exam. For appearing in exam, submission of Project is compulsory.

Teaching hours: 42 hours (Theory without Practical including query session)

Medium: Hindi/ English

Fee : Rs. 10.000/

(C2) For Local :

Sundays classes at Allahabad (4½ hrs / Sunday-11 Sundays)

* Timings probably 9:00 am to 1:30 pm on Sundays (with break of 30 min).

Total 42 hrs/sem = 11 Sundays = 4 hrs/day (44 hrs - including 2 revision classes.)

Class	2 hrs.	Break	2 hrs.
Sunday-1	BHB		CA
Sunday-2	BHB		CA
Sunday-3	BHB		CA
Sunday-4	BHB		CA
Sunday-5	BHB		CA
Sunday-6	BHB 12 hrs. course		CA
Sunday-7	CA		CA (15 hrs course) + 1 hr. revision
Sunday-8	AA		AA
Sunday-9	AA		AA
Sunday-10	AA		AA
Sunday-11	AA		AA (15 hrs. course) + 1 hr. revision

(D) Fee Structure of Correspondence Course :

Description of fees (CAHS, DAHS, ADAHS)	**For local (Sunday) classes (4 hrs / day for 11 Sundays)**	**For local/outstation compact classes (7 hrs / day for 6 days)**
Exam Fee	1500/-	1500/-
Tution Fee	5000/-	5000/-
Total Fee	Rs. 6,500/- Per Semester + 500/- (ARF/Yr)	Rs. 6,500/- Per Semester + 500/- (ARF/Yr)

Description of fees (MADAHS)	**For local (Sunday) classes (4 hrs / day for 11 Sundays)**	**For local/outstation compact classes (7 hrs / day for 6 days)**
Exam Fee	2000/-	2000/-
Tution Fee	7000/-	7000/-
Total Fee	Rs. 9,000/- Per Semester + 500/- (ARF/Yr)	Rs. 9,000/- Per Semester + 500/- (ARF/Yr)

Note - Students will get prospectus free of cost.

5. Eligibility :

a) CAHS - (Corr.) The candidate should be 12th pass.

b) DAHS - (Corr.) The candidate should be 10 + 2 pass and qualified CAHS.

c) ADAHS - (Corr.) qualified DAHS

d) MADAHS- (Corr.) qualified ADAHS

6. There will be no age limit in any course.
7. **Medium of instruction :** Hindi and English or both.
8. **Syllabus and Study Material :** Syllabus and course material will be provided by the Sansthan in Hindi and English or both. Reference books of the course could be purchased by the student as required.
9. **Geographical Area Covered :** All over India and abroad too.
10. **Examination and Teaching Centers :** Teaching and Examination center shall be at the place of the Coordinator.
11. **An Assignment :** Of 50 marks for each subject/paper as mentioned in the course is to be submitted by every student, fifteen days before the exam. None can appear in exam without submission of assignments. (Question paper of assignment to be taken from co-ordinator).
12. **A project** of 100 marks based on disease study/research work in **Semester 4,5,6 only** is to be submitted by students of ADAHS and MADAHS, two months before the Exam. For appearing in exam submission of Project is compulsory.
13. If any candidate fails in one subject (**passing marks 50% in each subject**), he may apply for **back paper** on payment of exam fee for one subject as Rs. 1000/- He may appear in next examination for such paper, only two times.
14. Admission will only be on the **full payment of fee**, as agreed upon between the parties – The Sansthan, The Coordinator and Mentor

---

Please Note : **Students are requested to contact to their respective co-ordinators regarding course books, exams, results etc as all incorporated within the MOU between Sansthan(aspeus) and the co-ordinator/mentor.**

Acupressure Shodh, Prashikshan Evam Upchar Sansthan

49/24-A, Minto Road (Behind Boy's High School), Prayagraj-211 001
Phone : 9335835005, 9335105694, 9208148610
E-mail : ayurved_acu@rediffmail.com • Website : www.acusansthan-ald.in

ADMISSION FORM for

Correspondence Course ☐ Campus Course ☐

Enrollment No.
(To be filled by Office)

Center Code ....
Semester...
Session...
Course Medium (Hindi/English)........................

Cer ficate in Acupressure Healing Science (CAHS) : Correspondence / Campus ☐
Diploma in Acupressure Healing Science (DAHS) : Correspondence / Campus ☐
Advance Diploma in Acupressure Healing Science (ADAHS) : Correspondence / Campus ☐
Master Advance Diploma in Acupressure Healing Science (MADAHS) : Correspondence / Campus ☐

(Particulars to be filled in correctly and legibly by the candidate)

CANDIDATE Name (Fill in Capital Letters) as per record of Matriculation Cert.

CANDIDATE Father's Name (Fill in Capital Letters)

CANDIDATE Mother's Name (Fill in Capital Letters)

Date of Birth   **Na onality**

Sex   **Male** ☐   **Female** ☐   **Contact No.**

Student's Email ID

Permanent Address :

P I N C O D E

Correspondence Address :

P I N C O D E

EDUCATIONAL QUALIFICATIONS

Name of Examination	Board / University	Passing Year	Maximum Marks	Marks Obtained	%	Division
High School						
Intermediate						
Graduation						
Post-Graduation						
Any Other						

Documents to be attached with this form :

1. Certificate of 10th or Equivalent for CAHS
2. Certificate of 12th or Equivalent for DAHS & ADAHS
3. Other educational Certificates, if any.
4. One passport size recent photograph extra.

Declaration by the candidate :

1. I have read the Rules and Regulations regarding the concerned programme.
2. I do solemnly affirm that the statement and information furnished by me as above and also in the enclosure submitted are true.
3. I also undertake to pay the College, Hostel and other dues prescribed by the College on due date.

Declaration between Co-ordinator and Student :

As to learn Acupressure, I am opting by study program for Certificate / Diploma / Advance Diploma.

Date ____________________

Place ____________________

____
Signature of the Candidate

Endorsement by Co-ordinator :

Name of the Co-ordinator ____

Address of the Co-ordinator ____

____
Signature of the Co-ordinator